



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS17500	ImageGroup:	I8LS17510
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། རྣམ་མཁའ་སང་གི། gsung 'bum/ nam mkha' seng ge
Author:	རྣམ་མཁའ་སངས། nam mkha' seng+ge
Descriptor:	reproduced from block print
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	3
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138. Comments: 04/2016

॥ पञ्चमस्कन्धे श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ १०० ॥

1666

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]



15
[Illegible handwritten text]



॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a historical or religious document.]

[illegible]

337

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འཇམ་དཔལ་གྱི་རྟོག་པ་མཁའ་ལྷོ་གོ་།

॥ १ ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सर्वप्रथम

२७५ अथ चत्वारिंशत्तमोऽध्यायः ॥

विश्ववन्द्यस्य पुण्यदेवदत्तस्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सुविदितं च अत्र विदितं । विदितं च अत्र विदितं । विदितं च अत्र विदितं । विदितं च अत्र विदितं ।

विश्वनाथस्य आश्रमस्य चतुर्थे पञ्चमस्तु

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सर्वोपशान्तः सर्वोपशान्तः सर्वोपशान्तः

Chapman

— 255 —

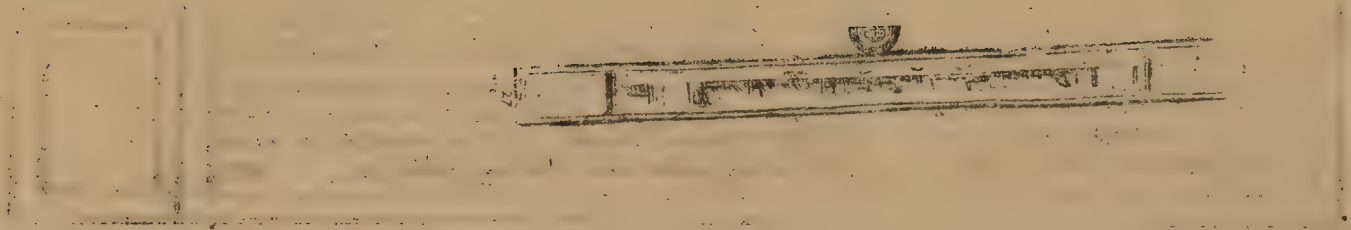
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1974年12月15日

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवा ॥ मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥



५२०१

महाराजस्य राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात्
राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात्
राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात्
राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात्
राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात् राज्याभिषेकस्य पश्चात्

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with multiple lines of handwritten text in Devanagari script. The text is heavily faded and obscured by dark ink smudges and stains, making it largely illegible. Only fragments of words and some structural elements like horizontal lines are visible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 १ विष्णुं शशिधरं चतुर्भुजं ।
 २ ध्यात्वा मुक्तिं प्राप्नुयान् ॥
 ३ कृष्णं वीर्यवान् पराक्रमीम् ।
 ४ शरीरं सुन्दरं सौमित्रकाम् ।
 ५ हस्तौ धारयन् गदाचक्रपद्मम् ।
 ६ त्रिशूलं दशदिग्दक्षिणाङ्गम् ।
 ७ भक्तैः पूजितं लोकेश्वरम् ।
 ८ सर्वलोकपालं महाकायम् ।
 ९ अनेन सहैव ब्रह्मा विष्णुश्च ।
 १० इत्येवं प्रसीदन् भक्तिकृतम् ।
 ११ मया यथाज्ञानं पश्यन्निवेद्यम् ।
 १२ त्रिमूर्तिं त्रिलोक्यं त्रिविक्रमम् ।
 १३ त्रिपुराणं त्रिभुवनं त्रिधातुम् ।
 १४ त्रिदशं त्रिदशं त्रिदशं त्रिधातुम् ।
 १५ त्रिदशं त्रिदशं त्रिदशं त्रिधातुम् ।
 १६ त्रिदशं त्रिदशं त्रिदशं त्रिधातुम् ।
 १७ त्रिदशं त्रिदशं त्रिदशं त्रिधातुम् ।
 १८ त्रिदशं त्रिदशं त्रिदशं त्रिधातुम् ।
 १९ त्रिदशं त्रिदशं त्रिदशं त्रिधातुम् ।
 २० त्रिदशं त्रिदशं त्रिदशं त्रिधातुम् ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

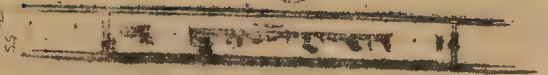
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ।

009

[illegible]

[illegible]

19

12455

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ १ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

རལ་ལ་ལུ་འོད་དཔག་མེད་པ་ལ་དཔུང་པ་བྱུང་།

[Faint handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पदार्थसंज्ञा

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

विदुषः सपत्न्योऽसौ सुखमाप्नुयान्

पुण्यार्थं कुरुते रघुपुत्रं कुरुते रघुपुत्रं

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1875
 1876
 1877
 1878
 1879
 1880
 1881
 1882
 1883
 1884
 1885
 1886
 1887
 1888
 1889
 1890
 1891
 1892
 1893
 1894
 1895
 1896
 1897
 1898
 1899
 1900
 1901
 1902
 1903
 1904
 1905
 1906
 1907
 1908
 1909
 1910
 1911
 1912
 1913
 1914
 1915
 1916
 1917
 1918
 1919
 1920
 1921
 1922
 1923
 1924
 1925
 1926
 1927
 1928
 1929
 1930
 1931
 1932
 1933
 1934
 1935
 1936
 1937
 1938
 1939
 1940
 1941
 1942
 1943
 1944
 1945
 1946
 1947
 1948
 1949
 1950
 1951
 1952
 1953
 1954
 1955
 1956
 1957
 1958
 1959
 1960
 1961
 1962
 1963
 1964
 1965
 1966
 1967
 1968
 1969
 1970
 1971
 1972
 1973
 1974
 1975
 1976
 1977
 1978
 1979
 1980
 1981
 1982
 1983
 1984
 1985
 1986
 1987
 1988
 1989
 1990
 1991
 1992
 1993
 1994
 1995
 1996
 1997
 1998
 1999
 2000
 2001
 2002
 2003
 2004
 2005
 2006
 2007
 2008
 2009
 2010
 2011
 2012
 2013
 2014
 2015
 2016
 2017
 2018
 2019
 2020
 2021
 2022
 2023
 2024
 2025
 2026
 2027
 2028
 2029
 2030
 2031
 2032
 2033
 2034
 2035
 2036
 2037
 2038
 2039
 2040
 2041
 2042
 2043
 2044
 2045
 2046
 2047
 2048
 2049
 2050
 2051
 2052
 2053
 2054
 2055
 2056
 2057
 2058
 2059
 2060
 2061
 2062
 2063
 2064
 2065
 2066
 2067
 2068
 2069
 2070
 2071
 2072
 2073
 2074
 2075
 2076
 2077
 2078
 2079
 2080
 2081
 2082
 2083
 2084
 2085
 2086
 2087
 2088
 2089
 2090
 2091
 2092
 2093
 2094
 2095
 2096
 2097
 2098
 2099
 2100
 2101
 2102
 2103
 2104
 2105
 2106
 2107
 2108
 2109
 2110
 2111
 2112
 2113
 2114
 2115
 2116
 2117
 2118
 2119
 2120
 2121
 2122
 2123
 2124
 2125
 2126
 2127
 2128
 2129
 2130
 2131
 2132
 2133
 2134
 2135
 2136
 2137
 2138
 2139
 2140
 2141
 2142
 2143
 2144
 2145
 2146
 2147
 2148
 2149
 2150
 2151
 2152
 2153
 2154
 2155
 2156
 2157
 2158
 2159
 2160
 2161
 2162
 2163
 2164
 2165
 2166
 2167
 2168
 2169
 2170
 2171
 2172
 2173
 2174
 2175
 2176
 2177
 2178
 2179
 2180
 2181
 2182
 2183
 2184
 2185
 2186
 2187
 2188
 2189
 2190
 2191
 2192
 2193
 2194
 2195
 2196
 2197
 2198
 2199
 2200
 2201
 2202
 2203
 2204
 2205
 2206
 2207
 2208
 2209
 2210
 2211
 2212
 2213
 2214
 2215
 2216
 2217
 2218
 2219
 2220
 2221
 2222
 2223
 2224
 2225
 2226
 2227
 2228
 2229
 2230
 2231
 2232
 2233
 2234
 2235
 2236
 2237
 2238
 2239
 2240
 2241
 2242
 2243
 2244
 2245
 2246
 2247
 2248
 2249
 2250
 2251
 2252
 2253
 2254
 2255
 2256
 2257
 2258
 2259
 2260
 2261
 2262
 2263
 2264
 2265
 2266
 2267
 2268
 2269
 2270
 2271
 2272
 2273
 2274
 2275
 2276
 2277
 2278
 2279
 2280
 2281
 2282
 2283
 2284
 2285
 2286
 2287
 2288
 2289
 2290
 2291
 2292
 2293
 2294
 2295
 2296
 2297
 2298
 2299
 2300
 2301
 2302
 2303
 2304
 2305
 2306
 2307
 2308
 2309
 2310
 2311
 2312
 2313
 2314
 2315
 2316
 2317
 2318
 2319
 2320
 2321
 2322
 2323
 2324
 2325
 2326
 2327
 2328
 2329

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

158145252

[illegible]

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥
॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥
॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥
॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥





[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]



10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuous line of handwritten script.]

[illegible]

[The following text is highly faded and illegible due to extreme blurriness.]

२३

पुनः

पुनः

पुनः

पुनः

पुनः

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

51

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रस्तपस्विनः ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तु वीर्यवान् ॥ ३ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तु वीर्यवान् ॥ ४ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तु वीर्यवान् ॥ ५ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तु वीर्यवान् ॥ ६ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तु वीर्यवान् ॥ ७ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तु वीर्यवान् ॥ ८ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तु वीर्यवान् ॥ ९ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तु वीर्यवान् ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

99

५४३॥



५५४

॥ अथ कथं वाच्यं वाच्यं वाच्यं वाच्यं वाच्यं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ २७ ॥ वचनं यद्देवि त्वं विष्णुः सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 नमो देवे त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥

त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥

त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥
 त्वं ब्रह्म त्वं सत्त्वमिदं ब्रह्म ॥

[illegible]

591

॥ गोपबुद्धयर्थं ॥

स्त्रिया मनी बहु ह्यस्य के वं तु र्देस्य प्यरा ।

॥ इति श्रीवैष्णवसंग्रहे सप्तमोऽध्यायः ॥

॥ गुरुदत्तसूक्तस्य अथर्ववेदस्य ॥

འཕྲིན་པ། ལྷག་དང་པོ་རྒྱ་ལྷག་པོ་འཕྲི

॥ १ ॥

इत्युक्तं तद्विषयं विदुः सर्वे

॥ अथ शिवोक्तम् ॥

॥ यथा यथा ॥ यथा यथा ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ममसाधनार्थं यत्तु यत्तु

३५३

इति भाष्ये सुप्रसिद्धं सारं यद्विद्यमानं ॥ १०८ ॥

५३

सपुत्रस्य पत्न्येति तत्राह ॥ १ ॥

मन्त्रादयः सन्निवृत्तौ च यत्किंचिदुपलक्षणम् । य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

四

चरद्दीपयसोऽप्यमोदसुखसा । विष्णुः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ཡེ་ཤེས་པ་ལྟུན་པ་ལྟ་སྤྱད་དུ་གནས་པ་རྒྱུ་སྤྱད་པ་

॥२॥

कृष्णसुखाय नमः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ममस्य

सप्तमः अध्यायः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५२०० यवः ॥ ५२०० यवः ॥ ५२०० यवः ॥ ५२०० यवः ॥ ५२०० यवः ॥

མཁའ་འགྲུབ་ཀྱི་འཕྲུལ་པ་ལྟ་བུར་འཕྲུལ་པ་ལྟ་བུར་འཕྲུལ་པ་ལྟ་བུར་

सप्तमः अध्यायः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । त्वमेकमात्रं श्यसि ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच । पांडवस्य द्रुपदश्चाप्यहम्भोजितः
द्रुपदश्चाप्यहम्भोजितः । त्वमेकमात्रं श्यसि ॥ २ ॥
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । त्वमेकमात्रं श्यसि ॥ ३ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

127

127

127

127

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.)

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

137

५०१

महेश्वर गणेश ०१ श्री गणेशाय नमः ॥

卷之六

[illegible]

[illegible]

391

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवा । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः । ॥ १ ॥

|| ॐ ||

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

|| ॐ ||

[illegible]

पञ्चमः पदः

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]



151

સા. ૧૯૫૧-૫૨ ના સરકારી

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

163

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीरामाय नमः ।
 श्रीलक्ष्मणे नमः ।
 श्रीबाले नमः ।
 श्रीहनुमान् नमः ।
 श्रीगौतमीयै नमः ।
 श्रीशङ्कराय नमः ।
 श्रीविष्णवे नमः ।
 श्रीब्रह्माय नमः ।
 श्रीनारायणाय नमः ।
 श्रीधर्मराज्ये नमः ।
 श्रीअर्जुनाय नमः ।
 श्रीभिमसे नमः ।
 श्रीसावित्रीयै नमः ।
 श्रीदत्तात्रेयाय नमः ।
 श्रीकल्याणाय नमः ।
 श्रीपद्मे नमः ।
 श्रीचन्द्रावलीयै नमः ।
 श्रीसूर्याय नमः ।
 श्रीशिवाय नमः ।
 श्रीवासुदेवाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]



॥ ॐ ॥

सर्वज्ञानेश्वरचरणारविन्दे नमः ॥



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रवर ॥
तस्मात्तु त्वया प्रदीप्तं धर्मशस्त्रम् ॥ ३ ॥ अथ शृणु मे ब्रह्मविद्यां
माधव प्रसादात् प्राप्तां योगेश्वर ॥ ४ ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाสม्यहं कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहम् ॥ ५ ॥ द्रुपद उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥

[illegible]

[illegible]

... ॥ १ ॥ ... ॥ २ ॥ ... ॥ ३ ॥ ... ॥ ४ ॥ ... ॥ ५ ॥ ... ॥ ६ ॥ ... ॥ ७ ॥ ... ॥ ८ ॥ ... ॥ ९ ॥ ... ॥ १० ॥ ... ॥ ११ ॥ ... ॥ १२ ॥ ... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



卷之六

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from another page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to fading or damage. It appears to be a continuation of the previous page's text.]

2575

[illegible]

... ॥ १३ ॥ ... ॥ १४ ॥ ... ॥ १५ ॥ ... ॥ १६ ॥ ... ॥ १७ ॥ ... ॥ १८ ॥ ... ॥ १९ ॥ ... ॥ २० ॥ ... ॥ २१ ॥ ... ॥ २२ ॥ ... ॥ २३ ॥ ... ॥ २४ ॥ ... ॥ २५ ॥ ... ॥ २६ ॥ ... ॥ २७ ॥ ... ॥ २८ ॥ ... ॥ २९ ॥ ... ॥ ३० ॥ ... ॥ ३१ ॥ ... ॥ ३२ ॥ ... ॥ ३३ ॥ ... ॥ ३४ ॥ ... ॥ ३५ ॥ ... ॥ ३६ ॥ ... ॥ ३७ ॥ ... ॥ ३८ ॥ ... ॥ ३९ ॥ ... ॥ ४० ॥ ... ॥ ४१ ॥ ... ॥ ४२ ॥ ... ॥ ४३ ॥ ... ॥ ४४ ॥ ... ॥ ४५ ॥ ... ॥ ४६ ॥ ... ॥ ४७ ॥ ... ॥ ४८ ॥ ... ॥ ४९ ॥ ... ॥ ५० ॥ ... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

THE

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...
... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

150

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

NO

354

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise.]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe fading and noise. It appears to be a continuous passage from a manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥





756

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

△

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५७ विनायकविषयसुखसुखः क्लेशपशुपुत्रपुत्र



۱۰۰
 ۱۰۱
 ۱۰۲
 ۱۰۳
 ۱۰۴
 ۱۰۵
 ۱۰۶
 ۱۰۷
 ۱۰۸
 ۱۰۹
 ۱۱۰

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

रघुनाथपुरी, पञ्जाब



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सिद्धिद्वयविनिर्मुक्तस्य

۱۰۸

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिं प्रोक्ष्य पाण्डव उवाच ॥ २ ॥
 पाण्डव उवाच ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ९ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original document.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

166

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following section contains dense handwritten Tibetan script.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in a script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular frame. The text is dense and appears to be a continuous passage, possibly a list or a series of entries. The script is somewhat stylized and the ink is dark on a light background. The lines are roughly horizontal but show some variation in alignment, suggesting a handwritten or printed manuscript. The text is enclosed in a simple rectangular border.

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is densely packed and appears to be a continuous passage. The script is dark and somewhat stylized, with some characters showing signs of wear or fading. The overall appearance is that of an old manuscript or a page from a historical document.

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The page shows signs of age, including discoloration and some ink bleed-through from the reverse side.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३७ ॥ अथ भगवत्पुत्रोत्पत्तिश्च ॥ ३८ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

4

94

5

25

201

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四
三十一

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

[illegible]

[illegible]

100

पञ्चमः

॥ अथ श्रीगणेशोपनिषत् ॥

১৯৩৩ খ্রিঃ ১০ই আগস্ট

पुनर्वसु रश्मि

15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७५ ॥ मन्त्रः प्रोक्तवान्महर्षिस्तथापि तदा सत्त्वैरादित्यं साधुं साधुं सुखं वै वेद्यमाप्नुयात्तत्

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादोऽध्यायः ॥ १८ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

16.

विषयः श्री विष्णुदेवकीनन्दनस्य चरित्राख्यानपरिकीर्तकपद्युक्तं सुप्रसिद्धं पञ्चमिविधोत्तराक्षराभि
 मासरेष्टसङ्गच्छन्ति सप्तशतश्लोकान्वितं यद्वाच्यते तदर्थं प्रकाशयामासुः

[illegible][illegible][illegible]

འདི་ནི་མཁས་པ་རྣམས་ཀྱིས་བཞག་པའི་ཡོངས་ཤིང་། རྒྱ་ཆེན་པོ་ལྟར་བྲིས་པའི་ཡོངས་ཤིང་། དེ་ལྟར་བྲིས་པའི་ཡོངས་ཤིང་།

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

99

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५७५ । त्रिभुवनस्य सर्वस्य सर्वस्य सर्वस्य सर्वस्य सर्वस्य सर्वस्य सर्वस्य ।

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 इत्युक्तं विद्वत्पुत्रेण
 वृषभक्षत्रं चैव यथा

विष्णुसंज्ञं चैव यथा
 विष्णुसंज्ञं चैव यथा
 विष्णुसंज्ञं चैव यथा

विष्णुसंज्ञं चैव यथा
 विष्णुसंज्ञं चैव यथा
 विष्णुसंज्ञं चैव यथा

विष्णुसंज्ञं चैव यथा
 विष्णुसंज्ञं चैव यथा
 विष्णुसंज्ञं चैव यथा



३५ ॥ सुखं विदुः शान्तिं विदुः ॥ सुखं विदुः शान्तिं विदुः ॥ सुखं विदुः शान्तिं विदुः ॥

22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

三才圖會

[illegible]

96	97
98	99
100	101
102	103
104	105
106	107
108	109
110	111
112	113
114	115
116	117
118	119
120	121
122	123
124	125
126	127
128	129
130	131
132	133
134	135
136	137
138	139
140	141
142	143
144	145
146	147
148	149
150	151
152	153
154	155
156	157
158	159
160	161
162	163
164	165
166	167
168	169
170	171
172	173
174	175
176	177
178	179
180	181
182	183
184	185
186	187
188	189
190	191
192	193
194	195
196	197
198	199
200	201
202	203
204	205
206	207
208	209
210	211
212	213
214	215
216	217
218	219
220	221
222	223
224	225
226	227
228	229
230	231
232	233
234	235
236	237
238	239
240	241
242	243
244	245
246	247
248	249
250	251
252	253
254	255
256	257
258	259
260	261
262	263
264	265
266	267
268	269
270	271
272	273
274	275
276	277
278	279
280	281
282	283
284	285
286	287
288	289
290	291
292	293
294	295
296	297
298	299
300	301
302	303
304	305
306	307
308	309
310	311
312	313
314	315
316	317
318	319
320	321
322	323
324	325
326	327
328	329
330	331
332	333
334	335
336	337
338	339
340	341
342	343
344	345
346	347
348	349
350	351
352	353
354	355
356	357
358	359
360	361
362	363
364	365
366	367
368	369
370	371
372	373
374	375
376	377
378	379
380	381
382	383
384	385
386	387
388	389
390	391
392	393
394	395
396	397
398	399
400	401
402	403
404	405
406	407
408	409
410	411
412	413
414	415
416	417
418	419
420	421
422	423
424	425
426	427
428	429
430	431
432	433
434	435
436	437
438	439
440	441
442	443
444	445
446	447
448	449
450	451
452	453
454	455
456	457
458	459
460	461
462	463
464	465
466	467
468	469
470	471
472	473
474	475
476	477
478	479
480	481
482	483
484	485

[illegible]

2
 4
 6
 8
 10
 12
 14
 16
 18
 20
 22
 24
 26
 28
 30
 32
 34
 36
 38
 40
 42
 44
 46
 48
 50
 52
 54
 56
 58
 60
 62
 64
 66
 68
 70
 72
 74
 76
 78
 80
 82
 84
 86
 88
 90
 92
 94
 96
 98
 100

३
 ५०५७
 २५७७७७
 ५७७७७७
 ७७७७७७

40	9999	9999	9999
----	------	------	------

[illegible][illegible]

20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

40		
39		
38		
37		
36		
35		
34		
33		
32		
31		
30		
29		
28		
27		
26		
25		
24		
23		
22		
21		
20		
19		
18		
17		
16		
15		
14		
13		
12		
11		
10		
9		
8		
7		
6		
5		
4		
3		
2		
1		

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

4	2	3	4
5	6	7	8
9	10	11	12
13	14	15	16
17	18	19	20
21	22	23	24
25	26	27	28
29	30	31	32
33	34	35	36
37	38	39	40
41	42	43	44
45	46	47	48
49	50	51	52
53	54	55	56
57	58	59	60
61	62	63	64
65	66	67	68
69	70	71	72
73	74	75	76
77	78	79	80
81	82	83	84
85	86	87	88
89	90	91	92
93	94	95	96
97	98	99	100

20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

[illegible][illegible][illegible][illegible]

卷之四

卷之四

20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

92	20	94	C	A
93	20	95	D	B
94	20	96	E	C
95	20	97	F	D
96	20	98	G	E
97	20	99	H	F
98	20	100	I	G
99	20	101	J	H
100	20	102	K	I
101	20	103	L	J
102	20	104	M	K
103	20	105	N	L
104	20	106	O	M
105	20	107	P	N
106	20	108	Q	O
107	20	109	R	P
108	20	110	S	Q
109	20	111	T	R
110	20	112	U	S
111	20	113	V	T
112	20	114	W	U
113	20	115	X	V
114	20	116	Y	W
115	20	117	Z	X
116	20	118	AA	Y
117	20	119	AB	Z
118	20	120	AC	AA
119	20	121	AD	AB
120	20	122	AE	AC
121	20	123	AF	AD
122	20	124	AG	AE
123	20	125	AH	AF
124	20	126	AI	AG
125	20	127	AJ	AH
126	20	128	AK	AI
127	20	129	AL	AJ
128	20	130	AM	AK
129	20	131	AN	AL
130	20	132	AO	AM
131	20	133	AP	AN
132	20	134	AQ	AO
133	20	135	AR	AP
134	20	136	AS	AQ
135	20	137	AT	AR
136	20	138	AU	AS
137	20	139	AV	AT
138	20	140	AW	AU
139	20	141	AX	AV
140	20	142	AY	AW
141	20	143	AZ	AX
142	20	144	BA	AY
143	20	145	BB	AZ
144	20	146	BC	BA
145	20	147	BD	BB
146	20	148	BE	BC
147	20	149	BF	BD
148	20	150	BG	BE
149	20	151	BH	BF
150	20	152	BI	BG
151	20	153	BJ	BH
152	20	154	BK	BI
153	20	155	BL	BJ
154	20	156	BM	BK
155	20	157	BN	BL
156	20	158	BO	BM
157	20	159	BP	BN
158	20	160	BQ	BO
159	20	161	BR	BP
160	20	162	BS	BQ
161	20	163	BT	BR
162	20	164	BU	BS
163	20	165	BV	BT
164	20	166	BW	BU
165	20	167	BX	BV
166	20	168	BY	BW
167	20	169	BZ	BX
168	20	170	CA	BY
169	20	171	CB	BZ
170	20	172	CC	CA
171	20	173	CD	CB
172	20	174	CE	CC
173	20	175	CF	CD
174	20	176	CG	CE
175	20	177	CH	CF
176	20	178	CI	CG
177	20	179	CJ	CH
178	20	180	CK	CJ
179	20	181	CL	CK
180	20	182	CM	CL
181	20	183	CN	CM
182	20	184	CO	CN
183	20	185	CP	CO
184	20	186	CQ	CP
185	20	187	CR	CQ
186	20	188	CS	CR
187	20	189	CT	CS
188	20	190	CU	CT
189	20	191	CV	CU
190	20	192	CW	CV
191	20	193	CX	CW
192	20	194	CY	CX
193	20	195	CZ	CY
194	20	196	DA	CZ
195	20	197		

二
三
四
五
六
七
八
九
十

47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

	१२३४	५६७८	९०१२
--	------	------	------

卷之四

२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

[illegible][illegible]

८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००	१०१	१०२	१०३	१०४	१०५	१०६	१०७	१०८	१०९	११०	१११	११२	११३	११४	११५	११६	११७	११८	११९	१२०	१२१	१२२	१२३	१२४	१२५	१२६	१२७	१२८	१२९	१३०	१३१	१३२	१३३	१३४	१३५	१३६	१३७	१३८	१३९	१४०	१४१	१४२	१४३	१४४	१४५	१४६	१४७	१४८	१४९	१५०	१५१	१५२	१५३	१५४	१५५	१५६	१५७	१५८	१५९	१६०	१६१	१६२	१६३	१६४	१६५	१६६	१६७	१६८	१६९	१७०	१७१	१७२	१७३	१७४	१७५	१७६	१७७	१७८	१७९	१८०	१८१	१८२	१८३	१८४	१८५	१८६	१८७	१८८	१८९	१९०	१९१	१९२	१९३	१९४	१९५	१९६	१९७	१९८	१९९	२००
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

ॐ

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

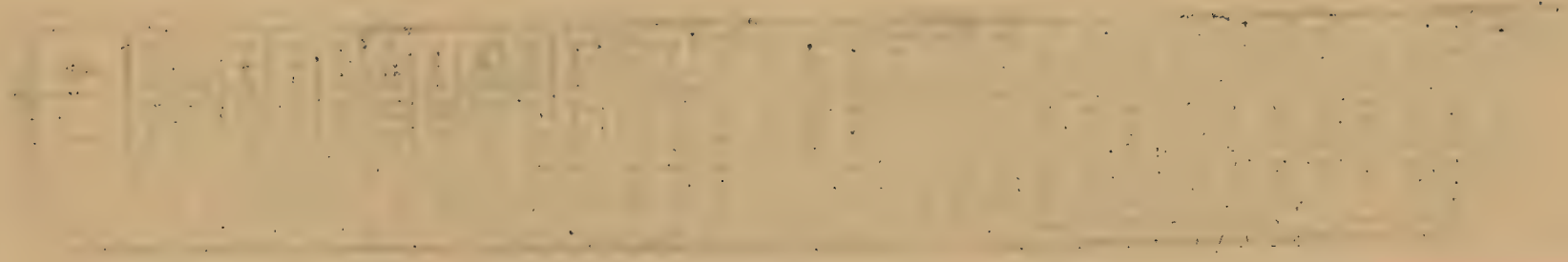
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

384	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
00	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
01	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	
02	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100		
03	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100			
04	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100				
05	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100					
06	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100						
07	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100							
08	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100								
09	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100									
10	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100										
11	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100											
12	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100												
13	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100													
14	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100														
15	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100															
16	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100																
17	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72																																													

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



347

	347	1. <i>Handwritten text in Malayalam script</i>	
--	-----	--	--

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100		
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100			
4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100				
5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100					
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100						
7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100							
8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100								
9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100									
10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100										
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100											
12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100												
13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100													
14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100														
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100															
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100																
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100																	
18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100																		
19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33																																																																																						

[illegible]

[illegible]

The image shows folio 40r of the Voynich manuscript. It is a single page with a light brown, aged background. The page is organized into four vertical columns by thin black lines. Each column contains a list of entries. Each entry consists of a small, dark symbol (often a circle or a dot) followed by a word in the Voynich script. The symbols are placed at the beginning of each line of text. The text is written in a dark, somewhat faded ink. The overall appearance is that of a historical document, possibly a ledger or a record book, given the structured layout of the entries.

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९
६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९
९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००	१०१	१०२	१०३	१०४	१०५	१०६	१०७	१०८	१०९	११०	१११	११२	११३	११४	११५	११६	११७	११८	११९

	9	8	7	6	5	4	3	2	1	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																							
	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000	0000

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or Hindi. There are several vertical lines of text on the left side, possibly indicating a margin or a specific section. The text is written in black ink on aged, slightly discolored paper. A small circular stamp or mark is visible near the bottom center of the page.

505

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

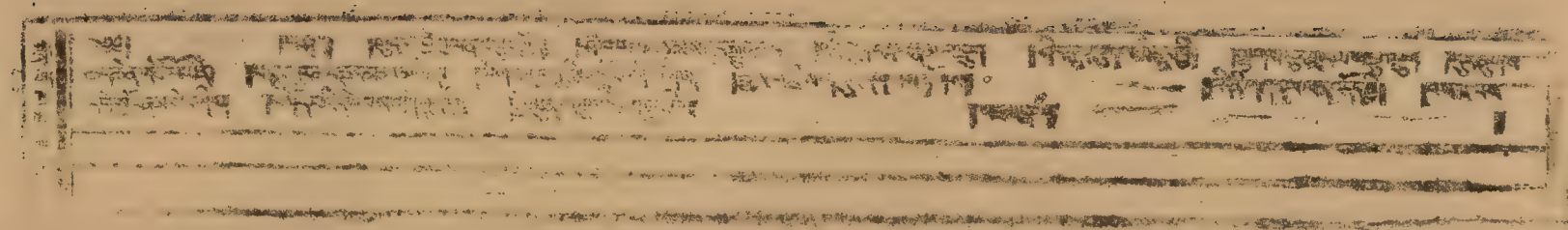
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

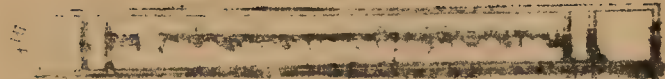


一	二	三	四	五	六	七	八	九	十	十一	十二	十三	十四	十五	十六	十七	十八	十九	二十	二十一	二十二	二十三	二十四	二十五	二十六	二十七	二十八	二十九	三十	三十一	三十二	三十三	三十四	三十五	三十六	三十七	三十八	三十九	四十	四十一	四十二	四十三	四十四	四十五	四十六	四十七	四十八	四十九	五十	五十一	五十二	五十三	五十四	五十五	五十六	五十七	五十八	五十九	六十	六十一	六十二	六十三	六十四	六十五	六十六	六十七	六十八	六十九	七十	七十一	七十二	七十三	七十四	七十五	七十六	七十七	七十八	七十九	八十	八十一	八十二	八十三	八十四	八十五	八十六	八十七	八十八	八十九	九十	九十一	九十二	九十三	九十四	九十五	九十六	九十七	九十八	九十九	一百
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----

一	二	三	四	五	六	七	八	九	十	十一	十二	十三	十四	十五	十六	十七	十八	十九	二十
廿一	廿二	廿三	廿四	廿五	廿六	廿七	廿八	廿九	三十	三十一	三十二	三十三	三十四	三十五	三十六	三十七	三十八	三十九	四十
四十一	四十二	四十三	四十四	四十五	四十六	四十七	四十八	四十九	五十	五十一	五十二	五十三	五十四	五十五	五十六	五十七	五十八	五十九	六十
六十一	六十二	六十三	六十四	六十五	六十六	六十七	六十八	六十九	七十	七十一	七十二	七十三	七十四	七十五	七十六	七十七	七十八	七十九	八十
八十一	八十二	八十三	八十四	八十五	八十六	八十七	八十八	八十九	九十	九十一	九十二	九十三	九十四	九十五	九十六	九十七	九十八	九十九	一百

[illegible]

[illegible]



101

1991

२१। अथ सादर सुवर्णम् । यथा चैतन्मते नृणां विवेकः तन्मते नृणां विवेकः । अथ सादर सुवर्णम् । यथा चैतन्मते नृणां विवेकः तन्मते नृणां विवेकः ।

424

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रुवन् ॥
 कुरुक्षेत्रे भद्रं करिष्ये ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit or Pali script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

W. A. R.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ श्रीगणेशाय नमः । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ।
 १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 २ ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । संख्यया युधिष्ठिर उवाच ॥
 ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 ४ ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । संख्यया युधिष्ठिर उवाच ॥
 ५ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 ६ ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । संख्यया युधिष्ठिर उवाच ॥
 ७ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 ८ ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । संख्यया युधिष्ठिर उवाच ॥
 ९ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 १० ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । संख्यया युधिष्ठिर उवाच ॥

[illegible]

57

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

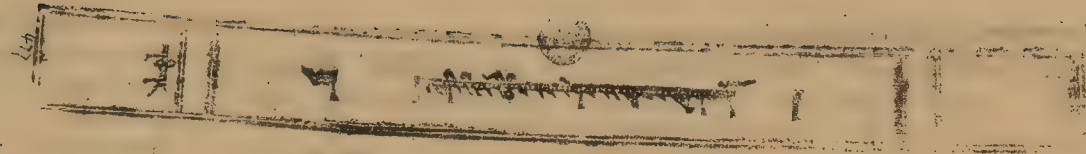
473

[illegible]

[illegible]

[illegible]

96
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]



[illegible]

[illegible]

[illegible]

137
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

482

[illegible]

[illegible]

484

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

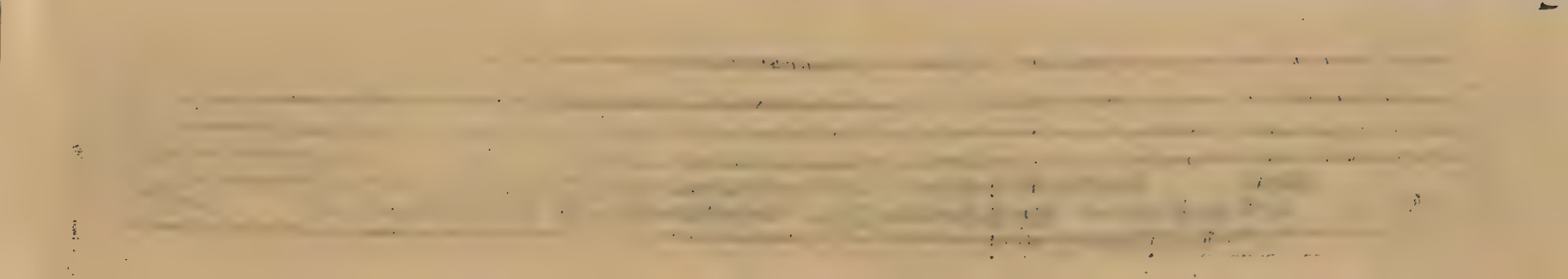
५४

५४

५४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनात्मजः ॥ १ ॥

५४



荷



१७

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

—

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुर्वन्त संजय ॥ मया श्रुता इति धर्मस्तस्मादात्मनो निश्चि-
 त्तवानां तव आश्रये ॥ १ ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता याम्यहम्
 वीर्यवान् समासीत ॥ त्वय्युपाध्यायः स पश्य ॥ २ ॥ भाष्यम् ॥ अत्र श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे
 कुरुक्षेत्रे समवेता याम्यहम् वीर्यवान् समासीत ॥ त्वय्युपाध्यायः स पश्य ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता
 उपनिषत्सु अध्यायैक प्रथमे अर्जुनसंवादे ॥ ३ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्माया द्रुपदो वीर्यवान् । मामाशङ्कतुम्हन्तुः ।
धर्मो रक्षति रक्षितः । इत्युवाच भगवान् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

५२



ॐ

सिद्धिदायकं च यथाशक्ति विष्णुं नमस्कृत्य नमो भगवते
विष्णवे नमः ॥ ॐ नमो भगवते विष्णवे नमः ॥

ॐ



[illegible]

५
७
८

३३३।

पदम सुविमलमलं रम्यं । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः ।
सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः ।
सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः ।
सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः ।
सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः ।
सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः । त्रिंशत्तमस्य गतेषु तेषां सुविमलसिद्धिः ।

५
७
८

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the philosophical or religious discourse found in the other pages.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः ॥ ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the previous page's content.]

152

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

169

विद्वत्पुत्रस्य ॥ ३ ॥ विद्वत्पुत्रस्य ॥ ३ ॥ विद्वत्पुत्रस्य ॥ ३ ॥

[illegible]

五

[illegible]

अथवा

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

5

[illegible]

15

१३९ चतुर्थः अथ विष्णोर्वाक्यं । विष्णोर्वचनं यत्किंचिदपि ब्रह्मविद्यायां ब्रह्मसूत्रेण ब्रह्मविद्यायां ब्रह्मसूत्रेण ब्रह्मविद्यायां ब्रह्मसूत्रेण ब्रह्मविद्यायां ब्रह्मसूत्रेण

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuation of a manuscript page.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगः समाप्तः ॥ १८ ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ इति श्रीमद्भगवत्गीतायां अष्टाध्यायस्य प्रथमोऽध्यायः ॥

[Faint handwritten text across the bottom margin]

一、關於本會之宗旨
 二、關於本會之組織
 三、關於本會之經費
 四、關於本會之權限
 五、關於本會之職責
 六、關於本會之紀律
 七、關於本會之獎勵
 八、關於本會之懲戒
 九、關於本會之解散
 十、關於本會之附屬

[Faint handwritten Devanagari script]

572

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

~~... ..~~
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

[illegible]

[illegible]

1051

[illegible]

570

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script at the bottom of the page]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ।
 ॥ १ ॥ अथात्मनो ज्ञानं ब्रह्म ।
 ॥ २ ॥ तत्त्वज्ञानं ब्रह्म ।
 ॥ ३ ॥ ब्रह्मविद्या ब्रह्म ।
 ॥ ४ ॥ ब्रह्मविद्यया ब्रह्म विदितम् ।
 ॥ ५ ॥ ब्रह्मविद्यया ब्रह्म विदितम् ।
 ॥ ६ ॥ ब्रह्मविद्यया ब्रह्म विदितम् ।
 ॥ ७ ॥ ब्रह्मविद्यया ब्रह्म विदितम् ।
 ॥ ८ ॥ ब्रह्मविद्यया ब्रह्म विदितम् ।
 ॥ ९ ॥ ब्रह्मविद्यया ब्रह्म विदितम् ।
 ॥ १० ॥ ब्रह्मविद्यया ब्रह्म विदितम् ।

154

THE

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

陳子昂集卷之六

1955 10/10/55

卷之五

THE UNIVERSITY OF CHICAGO



《中国书画函授大学肇庆分校建校二十周年纪念册》

॥ इति श्रीमद्भगवत्गीतायां अष्टाध्यायः समाप्तः ॥

10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 8

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पदर पदर कोरुपुसि लायुये द दाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दशमः अध्यायः

विदेव्यः स रत्नदत्तः सुजाते विगर्भः सः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

29

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

150

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

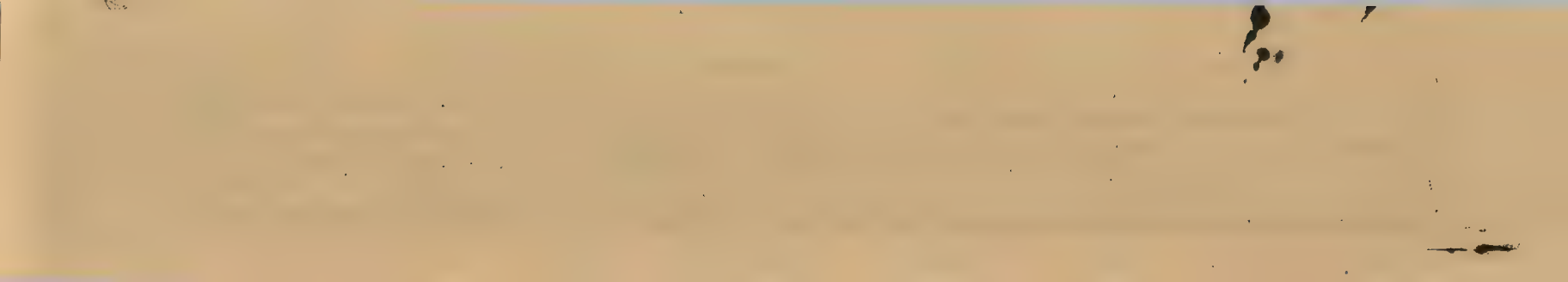
[illegible]

[illegible]

[illegible]

३४३

[illegible]

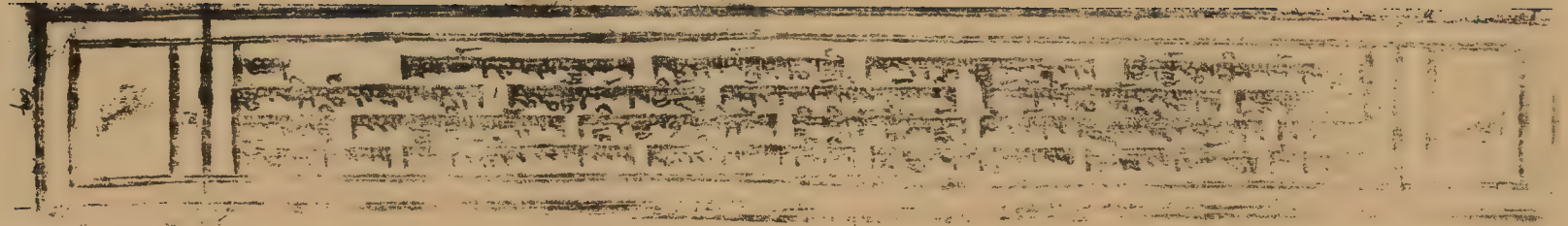


603



विश्वविद्यालयीय विज्ञान विभाग





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely written in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some faint markings or bleed-through visible at the top of the page.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with approximately 10 lines of handwritten text in Devanagari script. The ink is dark brown or black, and the paper appears aged and slightly discolored. The handwriting is cursive and dense, typical of historical Indian manuscripts. There are some faint markings and bleed-through visible across the page.]

613

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ २ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ २ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ २ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ २ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ३ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ३ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ३ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ४ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ४ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ४ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ५ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ५ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ५ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ६ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ६ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ६ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ६ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ७ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ७ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ७ ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥ ७ ॥

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple lines of handwritten text in Devanagari script. The text is heavily faded and obscured by dark ink smudges and stains, making it largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥
 दूतं त्वं प्रहसन्तं दृष्ट्वा संततं समाश्रितम् ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 स्यान्ममैतन्मोक्षदं विनाशाय त्वमृतमना ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ स्यान्ममैतन्मोक्षदं विनाशाय त्वमृतमना ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ स्यान्ममैतन्मोक्षदं विनाशाय त्वमृतमना ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ स्यान्ममैतन्मोक्षदं विनाशाय त्वमृतमना ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ स्यान्ममैतन्मोक्षदं विनाशाय त्वमृतमना ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| | |
|------------------|------------------|
| [Illegible text] | [Illegible text] |
| [Illegible text] | [Illegible text] |
| [Illegible text] | [Illegible text] |
| [Illegible text] | [Illegible text] |
| [Illegible text] | [Illegible text] |
| [Illegible text] | [Illegible text] |
| [Illegible text] | [Illegible text] |
| [Illegible text] | [Illegible text] |

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

159
[Faint, mostly illegible text in a single line, possibly a list or index.]

632

[illegible]

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

५७१
 ५७२
 ५७३
 ५७४
 ५७५
 ५७६
 ५७७
 ५७८
 ५७९
 ५८०

[illegible]

१. विविध प्रकार के पशुओं का उल्लेख है, जिनमें गाय, भेड़, बकरी, घोड़ा, आदि शामिल हैं।

| | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
| ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ |
| ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ |
| ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० |
| ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ |

[illegible]

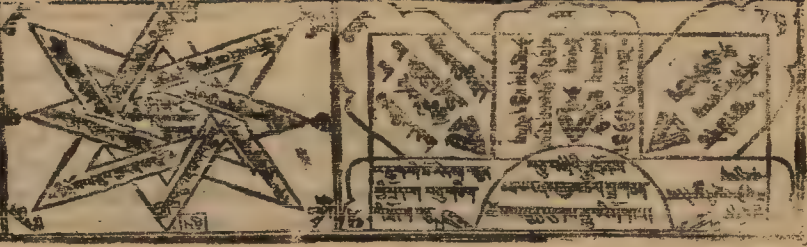
| |
|-----|
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|-----|

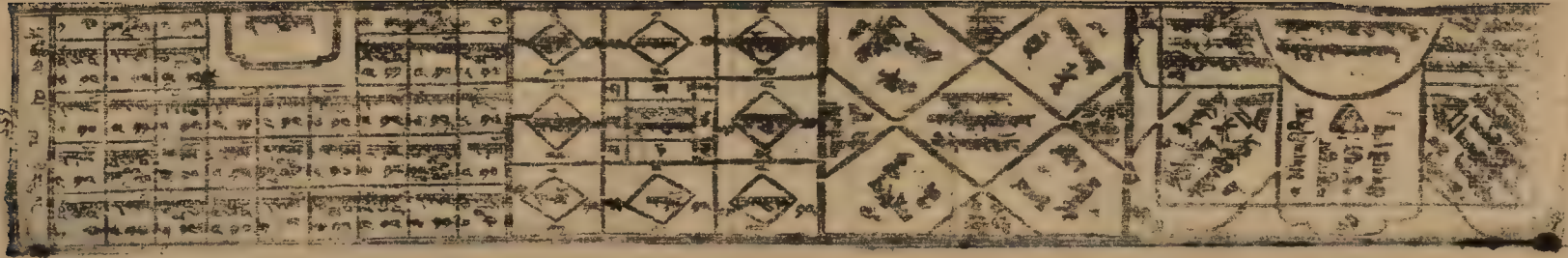
[illegible]

| |
|------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 |
| 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 |
| 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 |
| 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 |
| 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 |
| 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 |
| 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 |
| 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 |
| 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 |
| 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 |
| 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 |
| 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 |
| 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 |
| 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 |
| 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 |
| 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 |
| 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 |
| 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 |
| 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 |
| 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 |
| 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 |
| 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 |
| 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 |
| 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 |
| 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 |
| 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 |
| 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 |
| 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 |
| 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 |
| 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 |
| 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 |
| 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 |
| 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 | 1001 | 1002 | 1003 | 1004 | 1005 | 1006 | 1007 | 1008 | 1009 | 1010 | 1011 | 1012 | 1013 | 1014 | 1015 | 1016 | 1017 | 1018 | 1019 | 1020 |
| 1021 | 1022 | 1023 | 1024 | 1025 | 1026 | 1027 | 1028 | 1029 | 1030 | 1031 | 1032 | 1033 | 1034 | 1035 | 1036 | 1037 | 1038 | 1039 | 1040 | 1041 | 1042 | 1043 | 1044 | 1045 | 1046 | 1047 | 1048 | 1049 | 1050 |
| 1051 | 1052 | 1053 | 1054 | 1055 | 1056 | 1057 | 1058 | 1059 | 1060 | 1061 | 1062 | 1063 | 1064 | 1065 | 1066 | 1067 | 1068 | 1069 | 1070 | 1071 | 1072 | 1073 | 1074 | 1075 | 1076 | 1077 | 1078 | 1079 | 1080 |
| 1081 | 1082 | 1083 | 1084 | 1085 | 1086 | 1087 | 1088 | 1089 | 1090 | 1091 | 1092 | 1093 | 1094 | 1095 | 1096 | 1097 | 1098 | 1099 | 1100 | 1101 | 1102 | 1103 | 1104 | 1105 | 1106 | 1107 | 1108 | 1109 | 1110 |
| 1111 | 1112 | 1113 | 1114 | 1115 | 1116 | 1117 | 1118 | 1119 | 1120 | 1121 | 1122 | 1123 | 1124 | 1125 | 1126 | 1127 | 1128 | 1129 | 1130 | 1131 | 1132 | 1133 | 1134 | 1135 | 1136 | 1137 | 1138 | 1139 | 1140 |
| 1141 | 1142 | 1143 | 1144 | 1145 | 1146 | 1147 | 1148 | 1149 | 1150 | 1151 | 1152 | 1153 | 1154 | 1155 | 1156 | 1157 | 1158 | 1159 | 1160 | 1161 | 1162 | 1163 | 1164 | 1165 | 1166 | 1167 | 1168 | 1169 | 1170 |
| 1171 | 1172 | 1173 | 1174 | 1175 | 1176 | 1177 | 1178 | 1179 | 1180 | 1181 | 1182 | 1183 | 1184 | 1185 | 1186 | 1187 | 1188 | 1189 | 1190 | 1191 | 1192 | 1193 | 1194 | 1195 | 1196 | 1197 | 1198 | 1199 | 1200 |
| 1201 | 1202 | 1203 | 1204 | 1205 | 1206 | 1207 | 1208 | 1209 | 1210 | 1211 | 1212 | 1213 | 1214 | 1215 | 1216 | 1217 | 1218 | 1219 | 1220 | 1221 | 1222 | 1223 | 1224 | 1225 | 1226 | 1227 | 1228 | 1229 | 1230 |
| 1231 | 1232 | 1233 | 1234 | 1235 | 1236 | 1237 | 1238 | 1239 | 1240 | 1241 | 1242 | 1243 | 1244 | 1245 | 1246 | 1247 | 1248 | 1249 | 1250 | 1251 | 1252 | 1253 | 1254 | 1255 | 1256 | 1257 | 1258 | 1259 | 1260 |
| 1261 | 1262 | 1263 | 1264 | 1265 | 1266 | 1267 | 1268 | 1269 | 1270 | 1271 | 1272 | 1273 | 1274 | 1275 | 1276 | 1277 | 1278 | 1279 | 1280 | 1281 | 1282 | 1283 | 1284 | 1285 | 1286 | 1287 | 1288 | 1289 | 1290 |
| 1291 | 1292 | 1293 | 1294 | 1295 | 1296 | 1297 | 1298 | 1299 | 1300 | 1301 | 1302 | 1303 | 1304 | 1305 | 1306 | 1307 | 1308 | 1309 | 1310 | 1311 | 1312 | 1313 | 1314 | 1315 | 1316 | 1317 | 1318 | 1319 | 1320 |
| 1321 | 1322 | 1323 | 1324 | 1325 | 1326 | 1327 | 1328 | 1329 | 1330 | 1331 | 1332 | 1333 | 1334 | 1335 | 1336 | 1337 | 1338 | 1339 | 1340 | 1341 | 1342 | 1343 | 1344 | 1345 | 1346 | 1347 | 1348 | 1349 | 1350 |
| 1351 | 1352 | 1353 | 1354 | 1355 | 1356 | 1357 | 1358 | 1359 | 1360 | 1361 | 1362 | 1363 | 1364 | 1365 | 1366 | 1367 | 1368 | 1369 | 1370 | 1371 | 1372 | 1373 | 1374 | 1375 | 1376 | 1377 | 1378 | 1379 | 1380 |
| 1381 | 1382 | 1383 | 1384 | 1385 | 1386 | 1387 | 1388 | 1389 | 1390 | 1391 | 1392 | 1393 | 1394 | 1395 | 1396 | 1397 | 1398 | 1399 | 1400 | 1401 | 1402 | 1403 | 1404 | 1405 | 1406 | 1407 | 1408 | 1409 | 1410 |
| 1411 | 1412 | 1413 | 1414 | 1415 | 1416 | 1417 | 1418 | 1419 | 1420 | 1421 | 1422 | 1423 | 1424 | 1425 | 1426 | 1427 | 1428 | 1429 | 1430 | 1431 | 1432 | 1433 | 1434 | 1435 | 1436 | 1437 | 1438 | 1439 | 1440 |
| 1441 | 1442 | 1443 | 1444 | 1445 | 1446 | 1447 | 1448 | 1449 | 1450 | 1451 | 1452 | 1453 | 1454 | 1455 | 1456 | 1457 | 1458 | 1459 | 1460 | 1461 | 1462 | 1463 | 1464 | 1465 | 1466 | 1467 | 1468 | 1469 | 1470 |

[illegible]

5

[illegible]





[illegible]

65

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast.]

[illegible]

This page is a decorative spread from a manuscript. At the center is a large circle containing four smaller circles arranged in a square. Surrounding this central motif are various decorative elements, including smaller circles, lines, and stylized floral patterns. The page is filled with text in Devanagari script, which appears to be a form of Sanskrit or a related language. The text is arranged in horizontal lines, with some lines being more prominent than others. The overall style is characteristic of traditional Indian manuscript illumination.

459

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

विष्णुपञ्चमः पुनरुक्तम् विष्णुपञ्चमः पुनरुक्तम् विष्णुपञ्चमः पुनरुक्तम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धम् ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय ॥
 साधुना त्वमेव मे ब्रूषस्व ॥ शृणु पौरुषं वीर्यवान् ॥
 महाबाहो नमस्कृत्य पादौ ॥ मया संनिभो नमो ॥
 तव हस्तयोर्निमित्तं ॥ प्राणानि त्यक्तवानहम् ॥

[illegible]

१११
[The text in this block is extremely faded and illegible, appearing as a series of dark, horizontal strokes within a rectangular frame.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तप्रसादपञ्चरत्नम् ॥
 प्रथमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 द्वितीयं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 तृतीयं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 चतुर्थं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 पञ्चमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तप्रसादपञ्चरत्नम् ॥
 प्रथमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 द्वितीयं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 तृतीयं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 चतुर्थं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 पञ्चमं चतुर्वर्ण्यं ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

199

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

673

विष्णुदेवसुतस्य

[illegible]

新刊

674

卷之四

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]